पनामा नहर व्यापारिक मार्ग

Panama Canal Trade Route

बोलेंद्र कुमार अगम,
सहायक प्राध्यापक, भूगोल,
राजा सिंह महाविद्यालय, सिवान

पनामा नहर एक मानव निर्मित जलमार्ग है जो पनामा में स्थित है। यह प्रशांत महासागर तथा अटलांटिक महासागर को जोड़ती है। यह अंतरराष्ट्रीय व्यापार के प्रमुख जलमार्ग में से एक है।

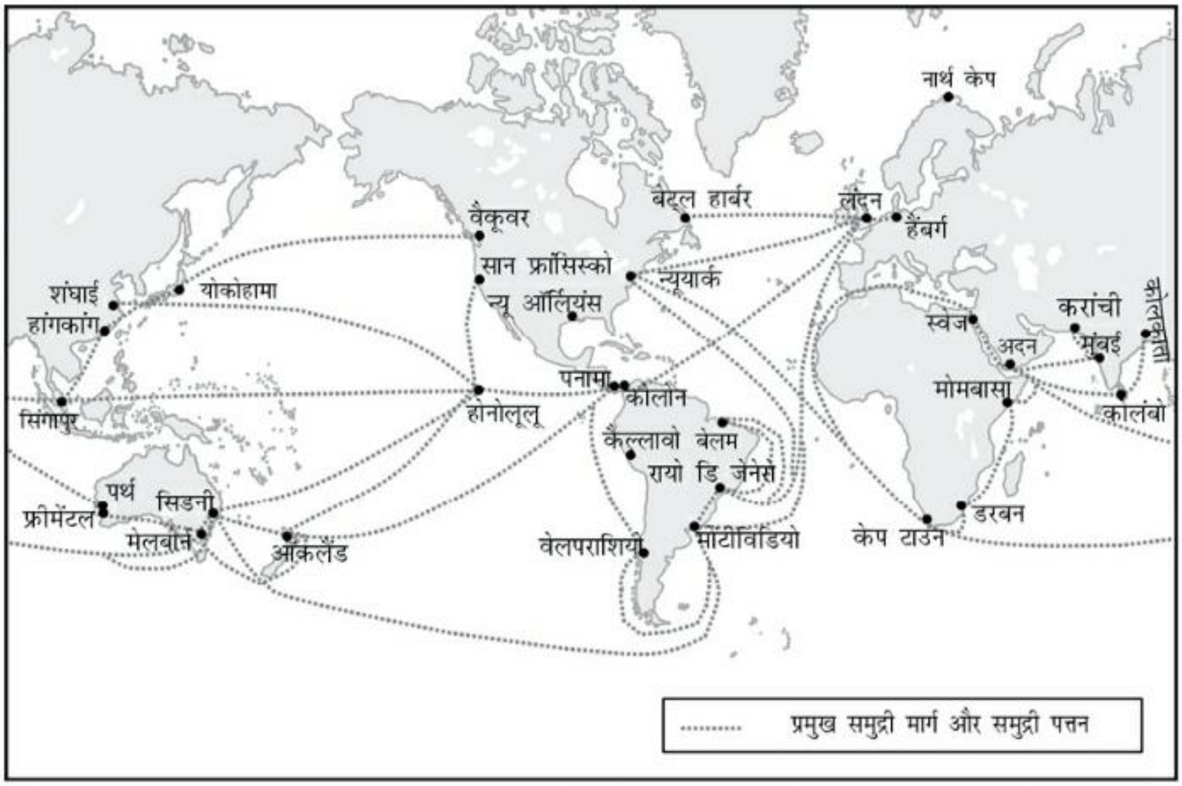

चित्र: एन सी ई आर टी - विश्व के प्रमुख जलमार्ग

नहर की रचना

पनामा नहर का निर्माण पनामा जलडमरु के आर-पार पनामा नगर एवं कोलोन के बीच संयुक्त राज्य अमेरिका के द्वारा किया गया। जिसके दोनों ही और के 8 किलोमीटर क्षेत्र को खरीद कर इसे नहर मंडल का नाम दिया है। यह नहर 72 किलोमीटर लंबी है जो लगभग 12 किलोमीटर लंबी अत्यधिक गहरी कटान से युक्त है। इसकी चौड़ाई 90 मीटर तथा न्यूनतम गहराई 12 मीटर है। इस नहर में कुल 8 जल बंधक तंत्र (Water Locking System) है तथा जलयान पनामा की खाड़ी में प्रवेश करने से पहले इन जल बंधक तंत्रों से होकर विभिन्न ऊंचाई की समुद्री सतह (26 मीटर ऊपर या नीचे) को पार करते हैं।

नहर का निर्माण

नहर का निर्माण 14 अगस्त 1914 को पूरा हुआ और 15 अगस्त 1914 को यह जलपोतों के आवागमन हेतु खोल दिया गया । पनामा नहर के निर्माण में कई सौ वर्ष लग गए । आरंभिक प्रयास स्पेन के राजा ने 1534 में किया । बाद में स्कॉटलैंड राज्य द्वारा 1658 में भी प्रयास किया गया । 1855 में विलियम कनिष नामक इंजीनियर ने संयुक्त राज्य अमेरिका की सरकार के लिए काम करते हुए इस इलाके का सर्वेक्षण किया और अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की । पुनः 1877 में अरमंड रेक्लस नामक फ्रांसीसी सेना इंजिनियर और लूसियान नेपोलियन नामक इंजीनियरों ने मिलकर नहर के निर्माण का सर्वेक्षण किया । अंततः निर्माण कार्य फ्रांस द्वारा 1 जनवरी 1881 को फर्डिनेंडो डी लेपस के नेतृत्व में शुरू किया गया । क्योंकि क्षेत्र का भूगर्भिक और जलवायुविक सर्वेक्षण नहीं किया गया था अतः यहां भयानक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा । मच्छरों, बीमारियों और दुर्घटनाओं में करीब 22000 लोगों की जान चली गई । 1889 में फर्डिनेंडो डी लेपस की कंपनी दिवालिया हो गई । कंपनी को निरस्त कर दिया गया । काम रुक गया । 1894 में दूसरी कंपनी ने प्रयास किया लेकिन वह भी असफल रहा ।

सबसे अंत में अमेरिकी सरकार ने आगे बढ़ते हुए 1904 में इस नहर का निर्माण शुरू किया और 1914 में पूरा किया । इस प्रोजेक्ट में लगभग 37.5 करोड़ डॉलर खर्च हुए । तमाम परिवर्तनों, विवादों और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में इसकी निष्पक्ष स्थिति को बनाए रखने हेतु इस नहर का प्रशासन 31 दिसंबर 1999 को पनामा को सौंप दिया गया ।

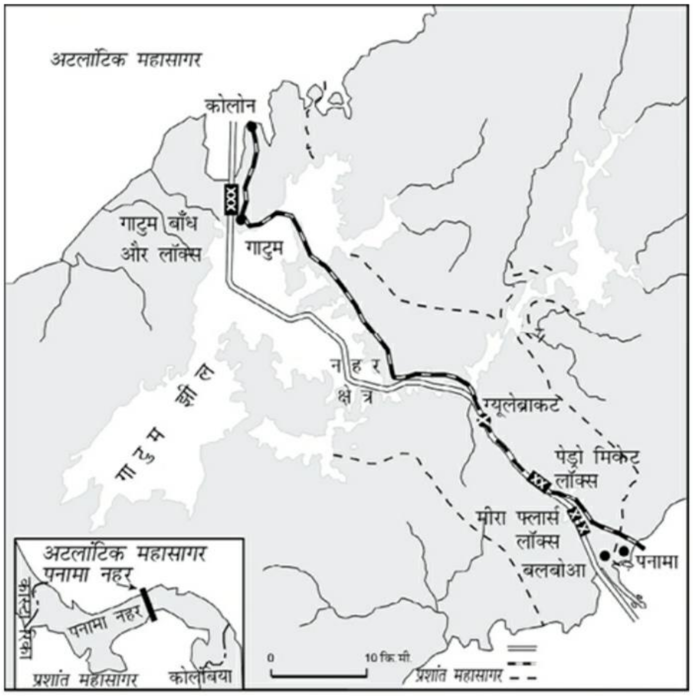

चित्र: एन सी ई आर टी

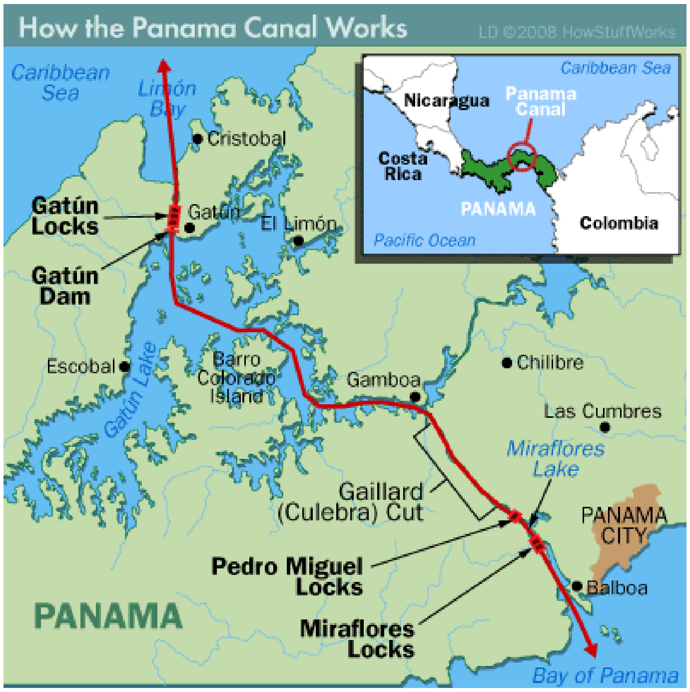

चित्र: https://www.pinterest.com/pin/417920040393418803/

नहर की क्षमता

वर्तमान में पनामा नहर से सिर्फ वही जहाज गुजर पाते हैं जो 1050 फीट लंबा, 110 फीट चौड़ा और 41 फीट गहरा हो । हालांकि आधुनिक जहाज आकार में काफी बड़े हो चुके हैं इसलिए यहां नया लॉक सिस्टम बनाया जा रहा है ।

चित्र:https://www.initiativesrivers.org/rivers/panama-canal/

चित्र:https://www.researchgate.net/figure/Map-of-
https://www.researchgate.net/figure/Map-of-Panama-showing-the-location-of-Panama-Canal-Website-2_fig2_301779403

पनामा नहर का विस्तार और पुनः व्यापारिक यातायात

पनामा नहर को विस्तार के बाद 26 जून 2016 को विशाल जहाजों के लिए खोल दिया गया । इसके विस्तार पर करीब 5.4 अरब डॉलर खर्च हुए । चीन के एक विशाल जहाज का कास्को शिपिंग पनामा ने इस विस्तारित नहर का उद्घाटन किया । करीब 9000 कंटेनरो के साथ जहाज ने नहर में प्रवेश किया । नहर में पहले की तुलना में 3 गुना ज्यादा बड़े जहाज गुजर सकेंगे । इससे पनामा नहर प्राधिकरण को 2021 तक सालाना 2.1 अरब डॉलर का राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है ।

पनामा नहर से लाभ

अमेरिका के पूर्वी और पश्चिमी तटों के बीच की दूरी इस नहर से होकर गुजरने पर तकरीबन 8,000 मील घट जाती है क्योंकि इसके ना होने की स्थिति में जलपोतों को दक्षिण अमेरिका के केप हॉर्न अंतरीप से होकर चक्कर लगाते हुए जाना पड़ता था । पनामा नहर को पार करने में जलयानों को 8 घंटे का समय लगता है । इस नहर के द्वारा समुद्री मार्ग से न्यूयॉर्क एवं सैन फ्रांसिस्को के मध्य लगभग 13000 किलोमीटर की दूरी कम हो गई है । इसी प्रकार पश्चिमी यूरोप और संयुक्त राज्य अमेरिका के पश्चिमी तट, उत्तर पूर्वी और मध्य संयुक्त राज्य अमेरिका और पूर्वी तथा दक्षिण पूर्वी एशिया के मध्य की दूरी बेहद कम हो गई है ।

चित्र:https://seahistory.org/sea-history-for-kids/canal-crazy/

पनामा नहर के द्वारा व्यापार

पनामा नहर जल मार्ग द्वारा विश्व के 5% जहाज गुजरते हैं । नहर द्वारा अमेरिका, कनाडा, पश्चिमी यूरोप, चीन, कोरिया, और दक्षिण अमेरिका के अन्य देशों की कंपनियों द्वारा ऑटोमोबाइल, खाद्य पदार्थ, वस्त्र, दवाइयां, रसायन, मशीनरी, कोयला, पेट्रोलियम आदि विभिन्न उत्पादों का परिवहन किया जाता है । इस नहर का अधिकतम उपयोग अमेरिकी जलयान करते हैं जो चीन, जापान, कोलंबिया तथा साउथ कोरिया को जाते हैं ।

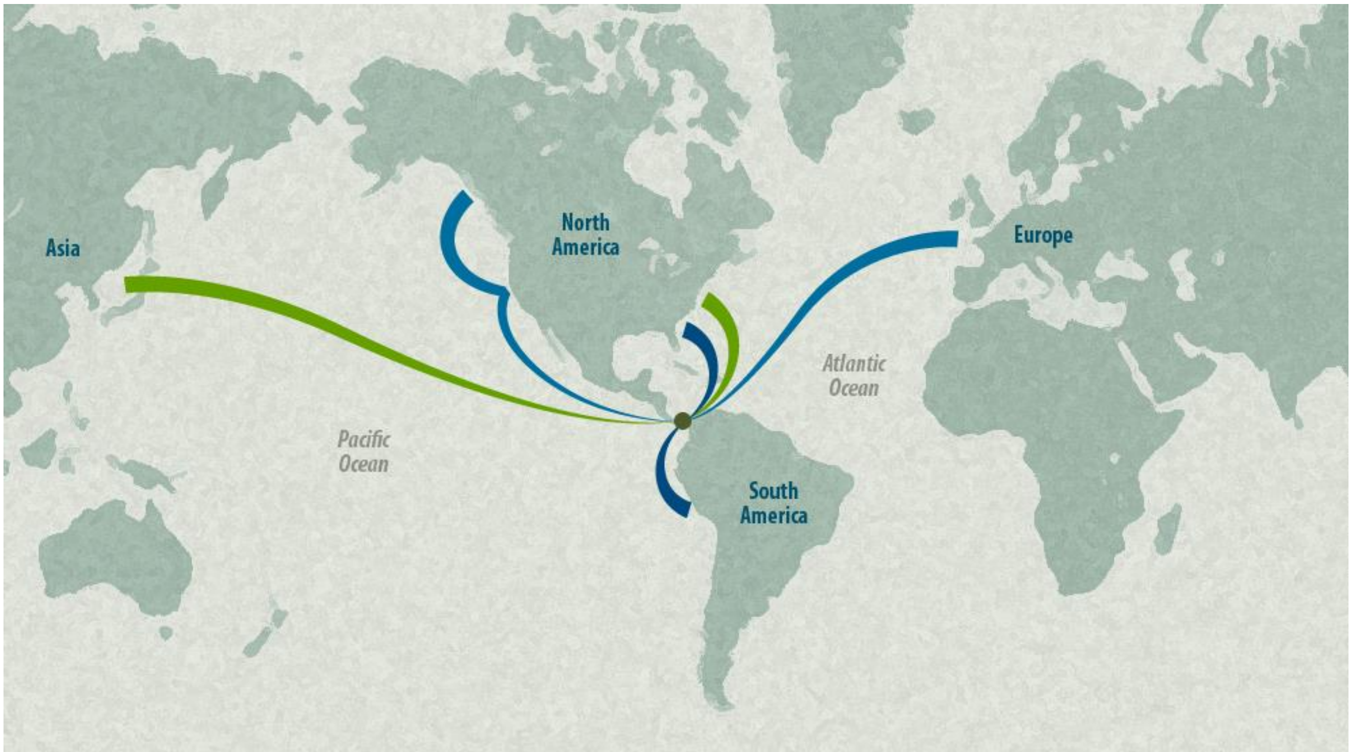

चित्र: पनामा नहर मार्ग द्वारा विश्व व्यापार https://logistics.gatech.pa/en/assets/panama-canal/statistics

इस प्रकार पनामा नहर को अमेरिकन सोसाइटी ऑफ सिविल इंजीनियर ने आधुनिक अभियांत्रिकी के सात आश्चर्य में स्थान दिया है । इस नहर का बहुत आर्थिक महत्व है हालाँकि स्वेज नहर की अपेक्षा कम है । फिर भी विश्व व्यापार के साथ ही दक्षिण अमेरिका की अर्थव्यवस्था में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है ।

सन्दर्भ: एनसीईआरटी, विकिपीडिया, इन्टरनेट

****